द्विपक्षीय समिति (जे बी सी सी आई) द्वारा किया जाता हैं , जिसमें प्रबंधन के प्रतिनिधि और 5 केंद्रीय मजदूर संघों के प्रतिनिधि – अर्थात् इन्टक, एटक, सीटू एचएमएस तथा बीएमएस के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। जे.बी.सी.सी.आई. द्वारा मजदूरी के संबंध में समझौता सभी पहलुओं को दृष्टिगत करते हुए किया जाता हैं ताकि कामगारों को औचित्यपूर्ण मजदूरी की अदायगी की जा सके तथा उक्त मजदूरी कामगारों को स्वीकार्य हो सके।

Coal linkage sanctioned to Maharashtra Electricity Board

1250. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the coal linkage sanctioned and despatches made to the thermal power stations of Maharashtra during the last three years, year-wise;

(b) what was the actual demand of coal of the Maharashtra Electricity Board during the said period and whether the demand was fully met;

" (c) if not, what was the shortfall; and

(d) action Government propose to take to ensure full supply of coal as per demand of the Maharashtra Electricity Board?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRIMATI KANTI SINGH): (a) to (c) Linkages to the thermal power stations in the country including of Maharashtra State Electricity Board are sanctioned by the Standing Linkage Committee (SLC) (Short-term) on quarterly basis taking into account the long-term linkages made, the views of Ministry of Power/Central Electricity Authority (CEA), availability of coal, payment and transport constraints etc.

Details of coal linkages vis-a-vis despatches made to the thermal power stations of MSEB for the last three years are as under:—

(Figs, in '000 tonnes)

Year	Linkages	Despatches
1994-95	25074	22124
1995-96	26565	25483
1996-97	24855	26175 (Prov.)

(d) The highest priority is accorded to the allocation and movement of coal to TPSs in the country including MSEB subject to transport and payment constraints. Coal supplies to power houses are regularly monitored, at the level of Cabinet Secretariat once a fortnight and on daily basis by Railways and the coal companies and corrective action is taken whenever necessary to step up supply of coal.

ताप विघुत केन्द्रों को अच्छे स्तर के कोयले की आपूर्ति

1251. **श्री रामजीलाल** : क्या कोयल मंत्री यी बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी हैं कि ताप विघुत केन्द्रों को कोयला खानों से भेजा जा रहा कोयला उच्च स्तर का नहीं हैं जिसके परिणामस्वरूप ताप विघुत केन्द्र अपनी वास्तावितक क्षमता से कम विघुत उत्पादन कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार ताप विघुत केन्द्रों को उच्च स्तर (ग्रेड-ए) के कोयले की आपूर्ति करने हेतु क्या कदम उठा रही हैं;

(ग) क्या यह भी सच हैं कि कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण से पूर्व ताप विघुत केन्द्रों को आपूर्ति किया जाने वाला कोयला आज की अपेक्षा उच्च स्तर पर होता था; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह) : (क) और (ख) यह बात सत्य नहीं हैं कि देश